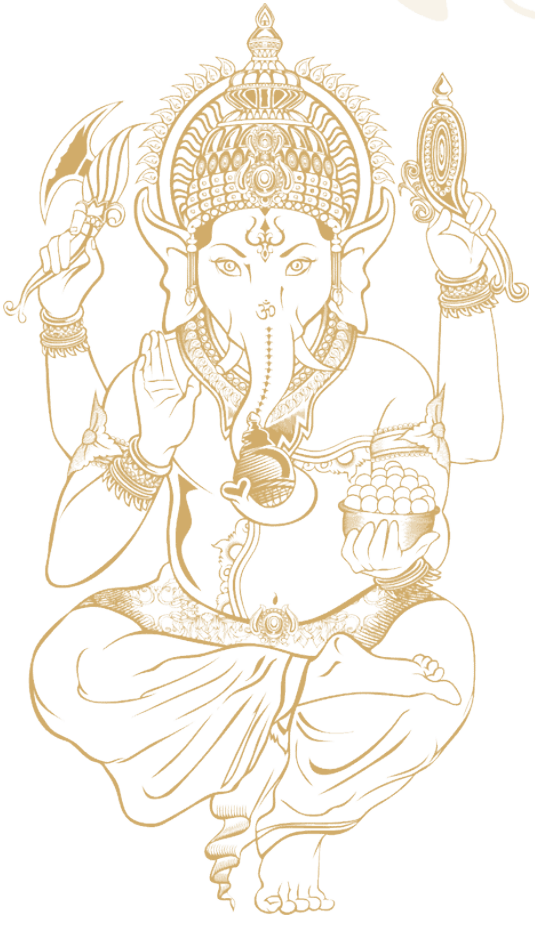

KUNAL SHEKGAWAT

ANKITA RATHOR

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121800308

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
10/10/1998	जन्म तिथि	12/07/1999
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 16:20:00	जन्म समय	16:30:00 घंटे
घटी 24:36:14	जन्म समय(घटी)	26:52:54 घटी
India	देश	India
Ladnun	स्थान	Ajmer
27:36:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
74:26:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:16	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:29:30	सूर्योदय	05:46:17
18:08:54	सूर्यास्त	19:27:11
23:50:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:50

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
मंगल 4वर्ष 10मा 12दि		16:19:51	कुंभ	लग्न	वृश्चि	15:49:33	राहु 4वर्ष 0मा 20दि	
गुरु		23:05:34	कन्या	सूर्य	मिथु	25:49:32	शनि	
23/08/2021		27:23:34	वृष	चंद्र	मिथु	16:59:47	01/08/2019	
23/08/2037		07:57:15	सिंह	मंगल	तुला	08:46:18	01/08/2038	
गुरु	11/10/2023	03:31:20	तुला	बुध	कर्क	15:37:56	शनि	04/08/2022
शनि	23/04/2026	26:12:59	कुंभ व	गुरु	मेष	08:10:50	बुध	13/04/2025
बुध	29/07/2028	18:00:01	कन्या	शुक्र	सिंह	06:03:21	केतु	23/05/2026
केतु	05/07/2029	07:22:16	मेष व	शनि	मेष	21:20:44	शुक्र	23/07/2029
शुक्र	05/03/2032	06:33:20	सिंह व	राहु व	कर्क	19:11:20	सूर्य	05/07/2030
सूर्य	22/12/2032	06:33:20	कुंभ व	केतु व	मक	19:11:20	चन्द्र	03/02/2032
चन्द्र	23/04/2034	15:00:08	मक व	हर्ष व	मक	21:58:12	मंगल	14/03/2033
मंगल	30/03/2035	05:32:51	मक व	नेप व	मक	09:30:07	राहु	19/01/2036
राहु	23/08/2037	12:16:39	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	14:15:21	गुरु	01/08/2038

लग्न-चलित

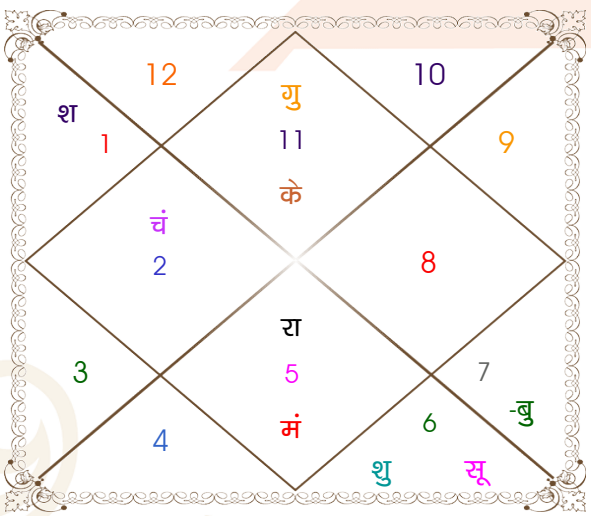

लग्न-चलित

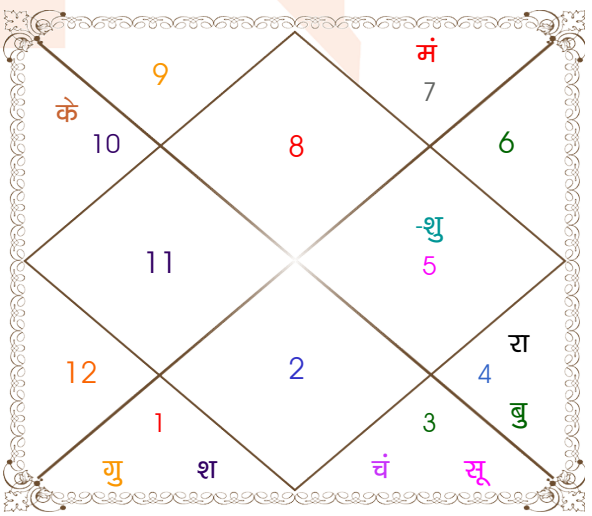

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

KUNAL SHEKGAWAT का वर्ग मृग है तथा ANKITA RATHOR का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार KUNAL SHEKGAWAT और ANKITA RATHOR का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

KUNAL SHEKGAWAT मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु KUNAL SHEKGAWAT कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि KUNAL SHEKGAWAT कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ANKITA RATHOR मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ANKITA RATHOR कि कुण्डली में द्वादश भाव में तुला राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ANKITA RATHOR कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि KUNAL SHEKGAWAT कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

KUNAL SHEKGAWAT तथा ANKITA RATHOR में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।